गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 02 अंक: 41 | गोरखपुर रविवार 30 मार्च 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

लखनऊ में विकसित भारत युवा संसद महोत्सव में बोले सीएम योगी

लीक से हटकर काम करेंगे तो बनेंगे समाज के लिए प्रेरणा : मुख्यमंत्री

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के विधान भवन में युवाओं का एक ऐतिहासिक आयोजन हुआ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित विकसित भारत युवा संसद महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य अतिथि के रूप में युवाओं को संबोधित किया। विधान सभा मंडप, विधान सभा सचिवालय में संपन्न कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से शुरू किए गए माई भारत अभियान के तहत युवाओं की नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा संसद का उद्देश्य केवल यह नहीं कि आप नेता बनें, बल्कि आपके भीतर नेतृत्व का गुण पैदा हो, आप विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, व्यापार, या किसी भी क्षेत्र में जाकर समाज की सेवा कर सकते हैं। जब आप लीक से हटकर कुछ नया और अतिरिक्त करते हैं, तो वह समाज के लिए प्रेरणा बनता है।

युवा संसद का उद्देश्य नेतृत्व का विकास

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए युवा साथियों का इस मंच पर स्वागत है। यह आपके लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में 240 युवाओं का चयन किया गया है। जो आज देश की सबसे बड़ी विधायिका में चर्चा का हिस्सा बने हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गौरवपूर्ण अवसर है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 2019 से शुरू हुई युवा संसद की यह पहल जीवन

के हर क्षेत्र में नेतृत्व गुण विकसित करने के उद्देश से आगे बढ़ रही है।

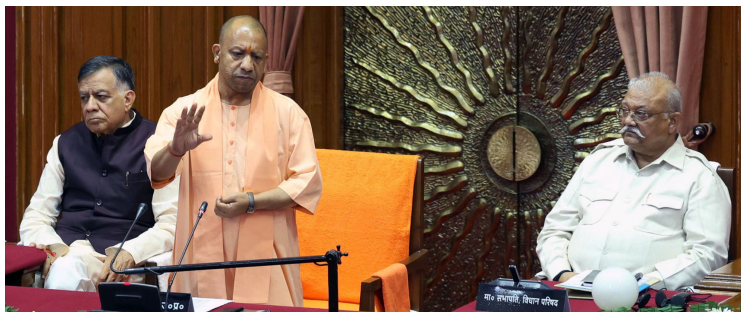

संसदीय लोकतंत्र की ताकत

मुख्यमंत्री ने भारत के संसदीय लोकतंत्र की व्याख्या करते हुए कहा कि इसके तीन स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका, और न्यायपालिका एक-दूसरे के पूरक हैं। विधायिका नीति बनाती है तो कार्यपालिका उं की विवेचना करती है। ये तीनों मिलकर सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करते हैं। उन्होंने युवाओं को बताया कि विधानमंडल में जनप्रतिनिधि नियमों के तहत अपनी बात रखते हैं और यही प्रक्रिया देश की नीतियों और कानूनों को आकार देती है। अगर कहीं कोई शिकायत है तो जनता के पास कार्यपालिका और न्यायपालिका के मंच भी उपलब्ध हैं। यह व्यवस्था लोकतंत्र की ताकत है।

हम पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात पर चिंतित: थरूर

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के लोकसभा में दिए बयान का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों

के हालात को लेकर चिंतित है। थरूर ने कहा कि 'साफ संकेत हैं कि हम पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की भलाई को लेकर चिंतित हैं। लेकिन परेशानी ये है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई द्विपक्षीय बातचीत नहीं हो रही है, वरना हम अपनी चिंताओं को सीधे पाकिस्तान के सामने बता सकते थे और समस्या का निवारण करने की मांग कर सकते थे।

'टीवीके और डीएमके के बीच होगी 2026 की लड़ाई'

एजेंसी

नई दिल्ली। तमिलगा वेत्री कड़गम ने शुक्रवार को चेन्नई में अपनी पहली आम परिषद की बैठक आयोजित की, जिसके दौरान पार्टी के प्रमुख अभिनेता विजय ने कहा कि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव टीवीके और डीएमके के बीच होंगे। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने अपनी पार्टी की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त दिखे, क्योंकि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को सत्ता की दौड़ से बाहर रखा। उन्होंने कहा, "2026 में लड़ाई केवल दो के बीच होगी। एक टीवीके और दूसरी डीएमके। तमिलनाडु को अगले साल एक ऐसे अलग चुनाव का सामना करना पड़ेगा, जिसका सामना तमिलनाडु ने अब तक नहीं किया है।" टीवीके प्रमुख ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर भी निशाना साधा और कथित तौर पर कानून व्यवस्था में गिरावट और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि के लिए उन्हें आड़े हाथों लिया। विजय ने कहा, "आप अपने शासन के बारे में सुनकर ही इतने क्रोधित क्यों हो जाते हैं? अगर आपने सही तरीके से शासन किया होता।

तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता

पुराने अंदाज में दिखे लालू यादव, जेडी(यू) बोली-बिहार का हर युवा...

एजेंसी

नई दिल्ली। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में अपने बेटे तेजस्वी यादव की राजनीतिक संभावनाओं के बारे में एक मजबूत घोषणा की। जसौली-जमुनिया गांव में पूर्व विधायक जमुना यादव की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए लालू ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि इस बार तेजस्वी यादव को बिहार में सरकार बनाने से कोई नहीं रोक सकता। लालू ने घोषणा की, "कोई माई का लाल तेजस्वी यादव की सरकार

अपने संबोधन के दौरान लालू ने महिला कल्याण योजना "मैं बहन मान योजना" को लागू करने का संकल्प लिया और समाज के वंचित वर्गों की सेवा के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

बनाने से नहीं रोक सकता है।" अपने संबोधन के दौरान लालू ने महिला कल्याण योजना "मैं बहन मान योजना" को लागू करने का संकल्प लिया और समाज के वंचित वर्गों की सेवा के लिए अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। जेडी(यू) के प्रवक्ता नीरज कुमार ने लालू के दावों को खारिज करते हुए कहा कि तेजस्वी 'राजनीतिक पितृ दोष' से पीड़ित हैं। नीरज कुमार ने कहा, "मैं लालू प्रसाद को याद दिलाना चाहता हूं कि नकल करने के लिए भी बुद्धि की जरूरत होती है। बिहार का हर युवा जो 'माई का लाल' है, वह तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनने से रोकेगा, जो जमीन के बदले नौकरी

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व जज जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। उनके सरकारी आवास पर कथित तौर पर अवैध नकदी मिलने का मामला सामने आया है। जस्टिस वर्मा के घर में आग लगने की घटना के बाद वहां से नकदी की बोरियां बरामद की गई थीं। जस्टिस अभय ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की और कहा कि आंतरिक जांच पूरी होने दीजिए। पीठ ने कहा कि अगर आंतरिक जांच में उन्हें (जस्टिस यशवंत वर्मा) दोषी पाया जाता है तो सीजेआई के पास एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने या सरकार से उन्हें हटाने की सिफारिश करने का विकल्प होगा। इस मामले में आज हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है। फिलहाल आंतरिक जांच चल रही है। याचिका खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट आने के बाद कई विकल्प हो सकते हैं। सीजेआई ने 22 मार्च को जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोपों की आंतरिक जांच करने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त तीन सदस्यीय इन-हाउस कमेटी इस सप्ताह जस्टिस वर्मा से मुलाकात कर सकती है। सूत्रों ने बताया कि बैठक से पहले यशवंत वर्मा ने वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ अग्रवाल, मेनका गुरुस्वामी, अरुंधति काटजू और वकील तारा नरूला से कानूनी राय मांगी, जो उनके लुटियंस दिल्ली स्थित आवास पर गए थे।

सम्पादकीय...

मानव तस्करी पर अंकुश

हरियाणा विधानसभा के मौजूदा सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी पहल हुई हैं, जो एक लोककल्याणकारी सरकार की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करती हैं। इसमें किसानों को नकली इनपुट से सुरक्षा कवच देना भी सराहनीय कदम रहा है। वहीं हाल ही में सुनहरे भविष्य की आकांक्षा लेकर विदेश जाने वाले युवाओं की हितरक्षा में उठाये गए कदम निश्चय ही सराहनीय हैं। हरियाणा के मौजूदा विधानसभा सत्र में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वक्त की सख्त जरूरत भी थी। ट्रैवल एजेंसियों के पंजीकरण को अनिवार्य करना और उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान उम्मीद जगाता है कि अब विदेश जाने वाले लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा। इस कानून का उल्लंघन करने पर सात साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार ने अपने नागरिकों को धोखे और मानव तस्करी से बचाने के लिये एक आवश्यक कदम उठाया है। लगातार होने वाले आव्रजन घोटालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर, इस कानून की लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। लेकिन जहां सख्त कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन इस दिशा में सफलता सुनिश्चित करेगा, वहीं इसके लिये जन जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। साथ ही प्रभावी प्रवर्तन के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लोग अनधिकृत एजेंटों के चक्रव्यूह में न फंसें। वास्तव में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम तो है, लेकिन इसे बेरोजगारी को दूर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा भी होना चाहिए। यदि हम राज्य के युवाओं के लिये अपने देश में बेहतर रोजगार के अवसर पैदा कर सकें तो युवाओं को फिर अपने सपने पूरे करने के लिये विदेश जाने की जरूरत ही नहीं होगी। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति अपना घर-परिवार, अपना धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश छोड़कर परदेश नहीं जाना चाहता। लेकिन जब आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो ही वह मजबूरी में विदेश जाने की लालसा रखता है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि बेहतर रोजगार की स्थितियां हमारे शैक्षिक वातावरण पर भी निर्भर करती हैं। यदि हम परंपरागत शिक्षा से इतर रोजगार व कौशल विकास की शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं तो स्थिति बदल सकती है। इसके लिये जरूरी है कि राज्य में रोजगारपरक शिक्षा के अनुकूल वातावरण बनाया जाए। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की सख्त जरूरत है। उम्मीद की जा रही थी कि विधानसभा सत्र में राज्य में सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिये उत्साहजनक पहल की जाएगी। इस मुद्दे को प्राथमिकताओं में शामिल करके इस बार गंभीर बहस होगी। दरअसल, हाल के दिनों में कई स्कूलों के भवनों की स्थिति व सुरक्षा आदि को लेकर अभिभावक चिंता जताते रहे हैं। हर अभिभावक चाहता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर साफ-सफाई, शौचालयों और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें। दरअसल, देखने में आया है कि कई ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में छात्रों की संख्या जितनी अधिकता में है, उस अनुपात में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि, विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार का ध्यान तो खींचा, लेकिन अन्य राजनीतिक मुद्दों में उलझाव के चलते शिक्षा के मुद्दे पर वैसे गंभीर बहस नहीं हो पायी , जैसी अपेक्षित थी।

राशिफल

मेषः- योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। मस्त-मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा।

वृषभः- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कार्य के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जरूरी कायरे की समय से पूर्ति करें।

मिथुनः- नये क्षेत्रों मे प्रयास से लाभ संभव। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

कर्कः- सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन में निराशा पैदा करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। रोजगार में क्षमता का पूर्ण लाभ मिलेगा।

सिंहः- कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। घर में किसी मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

कन्याः- मन को सकारात्मक दिशा की ओर केंद्रित करें। भाग्य से प्राप्त अच्छी बुरी सभी स्थितियों के साथ समझौतावादी बने। अपने सुख-दुख छोड़ परिजनों के सुख के बारे में सोचें। आलस्य कतई न करें।

तुलाः- पुरानी गलतियों से सीख लेते हुए वर्तमान को सुधारें। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरनें। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिकः- भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

धनुः- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में न जाया करें। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकते हैं। जरूरी कायरे की पूर्ति समय से करें।

मकरः- सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। रोजगार में लाभ के नये अवसर मिलेंगे। पिता के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। किसी मेहमान के आगमन से घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभः- किसी की अस्वस्थता से परिवार में कष्टप्रद माहौल होगा। महत्वपूर्ण कार्यवश घर से दूर जाना पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। रोजगार में आ रही समस्याओं से निराश न हों।

मीनः- प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें।

नो अदर लैंड, तब जाएं तो जाएं कहां?

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

तानाशाहों को हमेशा लगता है कि कला जैसे उनके लिए काल बन कर आ रही है। इसलिये वे जब-तब कभी कलाकार पर तो कभी उसके काम पर हमला बोलते रहते हैं। पूरब से पश्चिम तक मामला एक सा ही है। तभी तो तीन सप्ताह पहले ऑस्कर से सम्मानित बेस्ट डॉक्यूमेंट्री श्नो अदर लैंडश के चार निर्देशकों में से एक हमदान बलाल पर सोमवार को उन्हीं के गांव में इजरायली सेना का हमला हो गया। अगले दिन जब उन्हें रिहा किया गया तब उनके सर और शरीर पर चोटों के निशान थे। श्नो अदर लैंडश के चार निर्देशकों में से दो फिलीस्तीनी हैं और दो इजराइली। चार सह-निर्देशकों- बासल अद्रा, हमदान बलाल, युवाल अब्राहम और राहेल सोर की बनाई पहली ही डॉक्यूमेंट्री ने ऑस्कर जीता है और पूरी दुनिया में चर्चा का केंद्र बन गई है। नो अदर लैंड डॉक्यूमेंट्री के जरिये इन चारों का मकसद था कि साथ में उनकी आवाज ज्यादा बुलंद होगीय और ऐसा हुआ भी। ऑस्कर समारोह में जब इजरायली पत्रकार युवाल अब्राहम ने अपने फिलीस्तीनी सह-निर्देशक बासल अद्रा की ओर देख कर कहा-जब मैं बासल को देखता हूं, तो मुझे अपना भाई दिखाई देता है, लेकिन हम समान नहीं हैं। हम एक ऐसे शासन में रहते हैं जहां मैं तो आजाद हूं, नागरिक कानून के अधीन हूं लेकिन बासल सैन्य कानूनों के अधीन है जो उसके जीवन को आए दिन नष्ट करते रहते हैं और वह कुछ नहीं कर सकता। इस बयान ने अभी एक साथ मजबूत आवाज की पैरवी की ही थी कि बलाल पर हमला हो गया और वह चीखता रहा कि मैं मर रहा हूं।ज ये ताकतें नो अदर लैंड को रिलीज होने भी नहीं दे रहीं और ओटीटी मंच इसे हटाने पर मजबूर कर दिए गए हैं। दरअसल नो अदर लैंड वेस्टलैंड के एक हिस्से मसाफिर (मुसाफिर)यत्ता के गांवों की कहानी है जहां बासल अद्रा पैदा हुआ है। दुनिया के नक्शे पर यह जगह मौजूद है जो सात -आठ गांवों से मिलकर बनी है। इजराइल की सेना इस जगह को फौज के प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल करना चाहती है। वह इस रास्ते में आने वाले सभी घरों और स्कूलों को बुलडोज कर देना चाहती है। पूरी डाक्यूमेंट्री में सेना के बुलडोजर घर-स्कूल ढहाते नजर आते हैं। घर गिरने के बाद बासल का परिवार गुफाओं में रहने के लिए मजबूर हो जाता है। विरोध करने पर उसके चाचा को घायल कर दिया जाता है। वह अस्पताल में जिन्दगी और मौत के बीच संघर्षरत है। बासल के पास एक कैमरा है और वह सब कुछ शूट करता है। ऐसा लगता है जैसे सेना के हथियार का सामना वह अपने कैमरे से ही कर रहा है। उसका एक ही मकसद है कि उसके इलाके की तकलीफ दुनिया तक पहुंचाए। आखिर यह उसकी जमीन है और उसके पुरखे यहां 1830 से रहते आए हैं। इजराइल के सुप्रीम कोर्ट में उन्होंने सप्रमाण जानकारी दी है कि वे उनके कब्जे से पहले यहां रहते आए हैं। धीरे-धीरे ही सही उनकी अवाज को इंटरनेट पर बल मिलता है। एक समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी मसाफिर (मुसाफिर) यत्ता आते हैं। फिर वह सड़क नहीं टूटती, मकान खड़े रहते हैं। कुछ दिनों बाद फिर वही भय के हालात बन जाते हैं। डॉक्यूमेंट्री में बासल की मां भी हैं, जो खुद कभी एक्टिविस्ट रही हैं, लेकिन बासल की हताशा और हालात से दुखी हैं। वह दोहराती है कि हमें भी अपनी पहचान चाहिए, हमारे बच्चों को क्यों अच्छी जिन्दगी बसर करने का हक नहीं? दरअसल बासल ने कघनून की पढ़ाई की है लेकिन आर्थिक हालात इस कदर खस्ता हैं कि काम के कोई अवसर नहीं हैं। ऐसे ही एक दिन उसकी मुलाकात इजराइली पत्रकार युवाल अब्राहम से होती है जो सेना के उत्पीड़न को रिपोर्ट करता है। वह फिल्म में भी उसी बात का जिक्र करता है जो उसने ऑस्कर के मंच से कही थी कि-मैं आजाद नागरिक हूं तो मेरा भाई बासल क्यों नहीं? युवाल से बासल पूछता है - -आप कौन हैं? 00 मैं पत्रकार हूं। -आप अरेबिक हैं? 00 नहीं, इजराइली हूं।-क्या सच? आप क्या मानव अधिकार वाले हो?00 हां कुछ ऐसा ही..-क्या आपको लगता है कि आपका देश सही कर रहा है?00 नहीं, मुझे लगता है यह जुर्म है। सच कहा जाए तो श्नो अदर लैंडश दुनिया के अपनी जमीन से बेदखल कर शरणार्थी बनाए गए तमाम लोगों की कहानी होने के साथ यह इस बात को भी प्रभावी तरीके से बताती है कि लड़ाई जिसके नाम पर लड़ी जा रही है, वे उन हुक्मरानों के साथ नहीं हैं। तभी तो सेना का नुमाइंदा जब युवाल से पूछता है कि तुम यहां क्या कर रहे हो? इनका साथ क्यों दे रहे हो? तब युवाल कहता है क्योंकि यह सब तुम मेरे नाम पर कर रहे हो, नॉट इन माय नेम। उम्मीद जगाने वाली बात तो यह भी है कि फिलिस्तीन की तकलीफ को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आवाज देने वाले कोई और नहीं बल्कि यहूदी हैं। सभी को याद है कि एक इजरायली फिल्म निर्देशक नदाव लैपिड साल 2022 में अंतरराष्ट्रीय गोवा फिल्म फेस्टिवल में भारत आए थे और उन्होंने श्द कश्मीर फाइल्सश को श्वल्गर प्रोपेगेंडाश यानी अश्लील प्रचार कहा था। इजराइली फिल्म निर्देशक की इस टिप्पणी से भारत में तूफान आ गया था क्योंकि यह आलोचना सरकारी मंत्री के सामने हुई थी और नरेंद्र मोदी सरकार ने इस फिल्म के प्रचार में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। लैपिड बेहद प्रतिभाशाली निर्देशक हैं जिनकी फिल्में बर्लिन और कान फिल्म फेस्टिवल में अवार्ड हासिल कर चुकी हैं। उनकी फिल्म सिनोनिम्स (पर्यायवाची) को प्रतिष्ठित बर्लिन फिल्म फेस्टिवल में गोल्डन बेयर अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। सिनोनिम्स लैपिड की लगभग आत्मकथात्मक फिल्म है। कथानक का युवा सैनिक इजराइल में जन्मा जरूर है लेकिन वह वहां से भागना चाहता है। वह फ्रांस पहुंचता है।

कुछ खास...

राहुल को क्यों नहीं बोलने देते बिरला?

लगातार तीन बार केन्द्र की सरकार बना लेने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी विपक्ष के नेताओं, खासकर राहुल गांधी को न बोलने देने पर आमादा है, जो इस बार नेता प्रतिपक्ष भी हैं। पिछली लोकसभा में जब राहुल विपक्ष के नेता नहीं थे और न ही कांग्रेस की सदस्य संख्या आज के जितनी थी, तब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनसे खौफ खाते थे और उन्हें चुप कराने के सारे उपाय करते थे। वर्तमान लोकसभा में, जो पिछले साल के मध्य में गठित हुई थी, कांग्रेस की सदस्य संख्या दोगुनी तो है ही, राहुल विपक्ष के नेता हैं। ऐसे में मोदी का उनसे पहले से दोगुना भय खाना लाजि मी है। बुधवार को तो हद हो गयी जब राहुल अपनी कोई बात कहने के लिये उठे ही थे कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कार्यवाही ही स्थगित कर दी। पिछले लम्बे समय से मानो सदन के अध्यक्ष ने यह परिपाटी बना ली है कि राहुल को उनकी बात रखने ही नहीं दी जायेगी। राहुल के बोलने के दौरान अक्सर सत्ता पक्ष के सदस्य शोर-शराबा करते हैं या उनके भाषणों के प्रमुख हिस्से रिकॉर्ड में जाने ही नहीं दिये जाते-खासकर, जब वे मोदी और उनके कारोबारी मित्रों गौतम अदानी तथा मुकेश अम्बानी का उल्लेख करते हैं। पिछली लोकसभा के आखिरी दिनों में तो सरकार उनसे इस कदर भयभीत दिखाई दी कि उनकी सदस्यता तक छीन ली गयी थी। उनका बंगला भी आनन-फानन में खाली करा लिया गया था। उनके खिलाफ एक अवमानना केस तत्काल सुनवाई में लाकर सरकार ने यह प्रबन्ध भी कराया था।

अंततरू अदालती फैसले से उनकी सदस्यता बहाल हुई थी। इसके बावजूद राहुल न झुके, न मोदी तथा भाजपा सरकार पर हमले करना उन्होंने छोड़ा। वे सरकार द्वारा अदानी-अम्बानी को दिये जा रहे संरक्षण को भरपूर उजागर करते हैं और बताते हैं कि मोदी के कारण ये व्यापारी फल-फूल रहे हैं जबकि जनता बेहाल है। बुधवार को संसद भवन के बाहर उन्होंने मीडिया के समक्ष आरोप लगाया कि जब भी वे लोकसभा सदन में कुछ बोलने के लिए खड़े होते हैं, उन्हें अपनी बात कहने नहीं दी जाती। बोलने का मौका देने की बजाये ओम बिरला नेता विपक्ष को सदन के नियमों का पालन करने की नसीहत देते रहे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेसी सांसदों द्वारा टी-शर्ट पहनकर सदन में आने पर उन्होंने सदन की मयार्दा व आचरण का पालन करने का आग्रह किया था। उनके अनुसार यह मयार्दा और शालीनता के मानदंडों तथा सदन की परंपरा के प्रतिकूल है। बिरला ने नेहरू-गांधी परिवार का नामेल्लेख किये बगैर ध्यान दिलाया कि इसी सदन में पिता-पुत्री, मां-बेटी और पति-पत्नी सदस्य रहे हैं। इस परिप्रेक्ष्य में नेता प्रतिपक्ष से उन्होंने अपेक्षा की कि लोकसभा प्रक्रिया के नियम 349 के अनुसार वे सदन में आचरण और व्यवहार करें। अध्यक्ष की इस बात से इंकार नहीं है कि मयार्दा तथा शालीनता का सभी को पालन करना चाहिये। सवाल यह है कि ऐसी सारी अपेक्षाएं बिरला साहब केवल विपक्ष से ही करते हैं। जब भाजपा सदस्यों के बोलने की बारी आती है तो उन्हें पूरी छूट मिलती है। उनके बारे में कई बार कहा गया है कि वे दोहरा रवैया अपनाते हैं और भाजपा-सदस्य के रूप में बर्ताव करते हैं। वे खुद विपक्षी नेताओं के भाषणों में अड़ंगा डालते हैं। यहां तक कि सरकार का बचाव भी करते हैं। अक्सर चचाओं के उन हिस्सों को काट दिया जाता है जिनमें सरकार की, वह भी जिनमें नरेन्द्र मोदी की आलोचना होती है। बहरहाल, सवाल यह है कि आखिर राहुल से किस बात का सत्ता को खौफ है? कहा जा सकता है कि राहुल की लगभग हर बात से मोदी और उनकी सरकार को डर लगती है। वे जब भी कोई मुद्दा उठाते हैं या किसी विषय पर अपनी राय रखते हैं, तो वह सरकार को परेशान करने वाली होती है। देश के सारे संसाधनों को कुछ व्यवसायियों को सौंपना, भाजपा सरकारों का अन्याय व भ्रष्टाचार समेत ऐसे कई मुद्दे हैं जिन्हें सामने लाकर राहुल मोदी का भ्रष्टाचारी व निरंकुश चेहरा सामने ला चुके हैं।

गुलाबी पंख शॉल ,फ्लोरल एम्ब्रॉइडर्ड ड्रेस और रंगीन ओम्ब्रे आईशैडो...

कार्निवल नाइट थीम में रीटा ओरा का स्टनिंग लुक

रीटा ओरा हॉलीवुड इंडस्ट्री की चर्चित हसीनाओं में से एक हैं। रीटा ओरा अक्सर अपने लुक्स से फैंस की नींद उड़ा देती हैं। वहीं अब रीटा ओरा ने स्टाइलिश फोटोशूट करवाया। इन तस्वीरों में 34 वर्षीय सिंगर ने कार्निवल नाइट के सम्मान में एक सेमी-शियर फ्लोरल एम्ब्रॉइडर्ड ड्रेस पहनी है जिसमें वह स्टाइलिश लग रही हैं। इस लुक के साथ उन्होंने पिंक फेदर शॉल पेयर की है। उन्होंने ब्लू स्टेटमेंट इयररिंग्स और चंकी रिंग्स के क्लस्टर के साथ अपने लुक को एक्सेसराइज किया।रंगीन ओम्ब्रे आईशैडो से मेकअप लुक को परफेक्ट टच दिया। अपने लुक को पूरा करने के लिए पवाइजन हिटमेकर ने अपने ब्लॉन्ड बालों को टौस्ल्ड वेव्स में स्टाइल किया।ओरा ने अपने लुक में चार चांद लगाने के लिए सिल्वर स्टिलेटो हील्स पहनीं जिससे उनकी हाइट और भी बढ़ गई।

संगीत की दुनिया में सफलता के बाद, अब बड़े पर्दे पर छाने को तैयार शिवानी शर्मा

शिवानी शर्मा भारतीय मनोरंजन जगत की उभरती हुई कलाकार, अपनी शानदार अदाकारी और आकर्षक स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। हिंदी, पंजाबी और तेलुगु सिनेमा में अपनी जगह बना चुकीं शिवानी अब बॉलीवुड में अपनी पहचान पुख्ता करने के लिए तैयार हैं। उनका मानना है कि क्षेत्रीय सिनेमा ने उनके करियर को निखारने में अहम भूमिका निभाई है। वह कहती हैं, ष्आज के दौर में क्षेत्रीय फिल्में भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं जितनी मुख्यधारा की बॉलीवुड फिल्में, क्योंकि यह कलाकारों को प्रयोग करने और दर्शकों को नई कहानियों से जोड़ने का अवसर देती हैं। शिवानी का जन्म झारखंड के पलामू में हुआ और उनका बचपन रांची में बीता। बचपन से ही उन्हें नृत्य और रंगमंच में गहरी रुचि थी। उनके करियर की शुरूआत मॉडलिंग से हुई, जब उन्होंने मिस मुंबई ग्लोबल इंडिया का खिताब जीता। इस उपलब्धि ने उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे खोल दिए और उन्होंने रेंट आफ से बड़े पर्दे पर कदम रखा। इस फिल्म में उनके भावनात्मक अभिनय को खूब सराहा गया, जिससे उन्हें और बड़े प्रोजेक्ट्स मिलने लगे। इसके बाद सुरिली, अर्थात द डेथ इज अल्टीमेट ट्रुथ, और पिस्टल जैसी फिल्मों में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा साबित की।फिल्मों के अलावा शिवानी ने संगीत जगत में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। टी-सीरीज और जी म्यूजिक जैसे बड़े म्यूजिक लेबल्स के साथ उन्होंने कई हिट गाने किए हैं। उनका गाना रानी का मूड दर्शकों को खूब पसंद आया। इसके अलावा, उन्होंने जुबैर के खान के साथ ओ रे खुदा और सनी चीमा व आरडीएक्स के साथ ना याद मेनू आया कर में शानदार परफॉर्मेंस दी। उनका मानना है कि म्यूजिक वीडियो कलाकारों के लिए दर्शकों से तुरंत जुड़ने का बेहतरीन जरिया हैं, क्योंकि इनमें कुछ ही मिनटों में अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलता है। अब शिवानी बॉलीवुड के साथ-साथ ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी अपनी जगह बनाने की तैयारी कर रही हैं। 2025 के जयपुर इंटरनेशनल फिल्म अवाड्र्स में उनके रेड कार्पेट लुक ने खूब सुर्खियां बटोरीं, जिससे उनका स्टारडम और बढ़ गया। वह जल्द ही बड़े बजट की फिल्मों और वेब सीरीज में नजर आएंगी। उन्होंने कहा, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स कलाकारों को अधिक स्वतंत्रता देते हैं और नई कहानियों को दर्शकों तक पहुंचाने का शानदार माध्यम बन चुके हैं। मैं भी इस माध्यम में अपनी क्षमता को और निखारना चाहती हूं। शिवानी का सफर आसान नहीं था, लेकिन उनकी लगन और मेहनत ने उन्हें सफलता दिलाई। वह कहती हैं, सफलता रातों-रात नहीं मिलती। मैंने सही प्रोजेक्ट्स का इंतजार किया और कड़ी मेहनत की। अब मुझे मेरी मेहनत का फल मिल रहा है और मैं अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह तैयार हूं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता और बेहतरीन परफॉर्मेंस यह साबित करती हैं कि वह भारतीय फिल्म जगत की अगली बड़ी स्टार बनने की राह पर हैं।

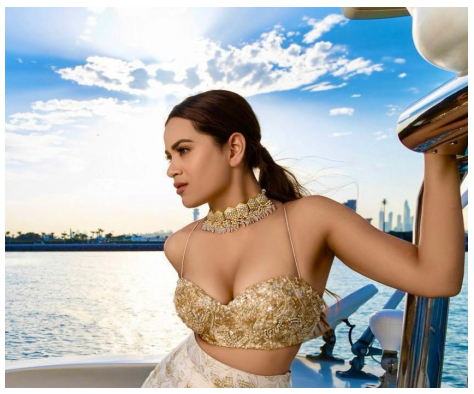

पैसा है तो करो..

इस्लाम में मर्दों की 4 शादियों पर पाकिस्तानी एक्ट्रेस की बेबाक टिप्पणी, कहा- अगर उनके पति करें तो उन्हें कोई दर्द नहीं

मशहूर पाकिस्तानी एक्टर दानिश तैमूर कुछ दिनों पहले चार शादियों को लेकर बयान देकर काफी चर्चा में आए थे। उन्होंने कहा था कि उनको अल्लाह ने चार शादियां करने की इजाजत दी हुई है, लेकिन वह करना नहीं चाहते। वो अभी अपनी पत्नी के साथ खुश है। उनके इस बयान को लेकर लोगों ने एक्टर को खूब ट्रोल किया था। वहीं, अब हाल ही में पाकिस्तान की एक्ट्रेस हीरा सूमरो ने चार शादियों को लेकर वकालत की और कहा कि इसमें क्या दिक्कत है। दानिश के बाद अब हीरा भी अपने इस बयान को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हाल ही में एक पॉडकास्ट में हीरा सूमरो ने कहा कि आप चार शादियां करो और सबको अच्छे से रखो। अगर आपके पास में पैसा है कुछ चार शादियां करो इसमें क्या दिक्कत है। हीरा सूमरो ने आगे कहा कि इंसान होने के नाते आप चार शादियां तो कर सकते हैं। लेकिन क्या आपकी बॉडी 4 शादियों की जरूरत को पूरा कर पाएगी? इस दौरान होस्ट ने उनका जवाब देते हुए कहा कि मैं तो नहीं लेकिन पाकिस्तान बात और मर्द चार शादियां कर सकते हैं। लेकिन फिर हीरा सूमरो से सवाल किया गया कि ष्अगर उनके पति दूसरी शादी करते हैं तो उनको दुख नहीं होगा? इस पर एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा कि मुझे दर्द क्यों होगा, मुझे पेट में दर्द थोड़ी है। ये सब मेरे लिए सेंस नहीं करता है। अगर एक आदमी कानून के हिसाब से काम करें, वो तमीज से कर शादी कर रहा है। तमीज वाला आदमी है तो कोई दिक्कत नहीं है। हीरा सूमरो बोलीं-वह किसी भी कारण के बिना चार शादियां कर सकते हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसा नहीं मानते हैं और कुछ मर्द अफेयर भी करते हैं। इससे बेहतर है कि वह हराम काम करें। 4 शादी करें। जब उनको अल्लाह ही आजमा रहा है तो आप इतना क्यों सोच रहे हैं।

बचपन में उनके पोस्टर्स अलमारी में लगाते..

सनी देओल के हमेशा से फैन रहे हैं रणदीप हुड्डा, बोले-जब मुझे उनके साथ फिल्म ऑफर..

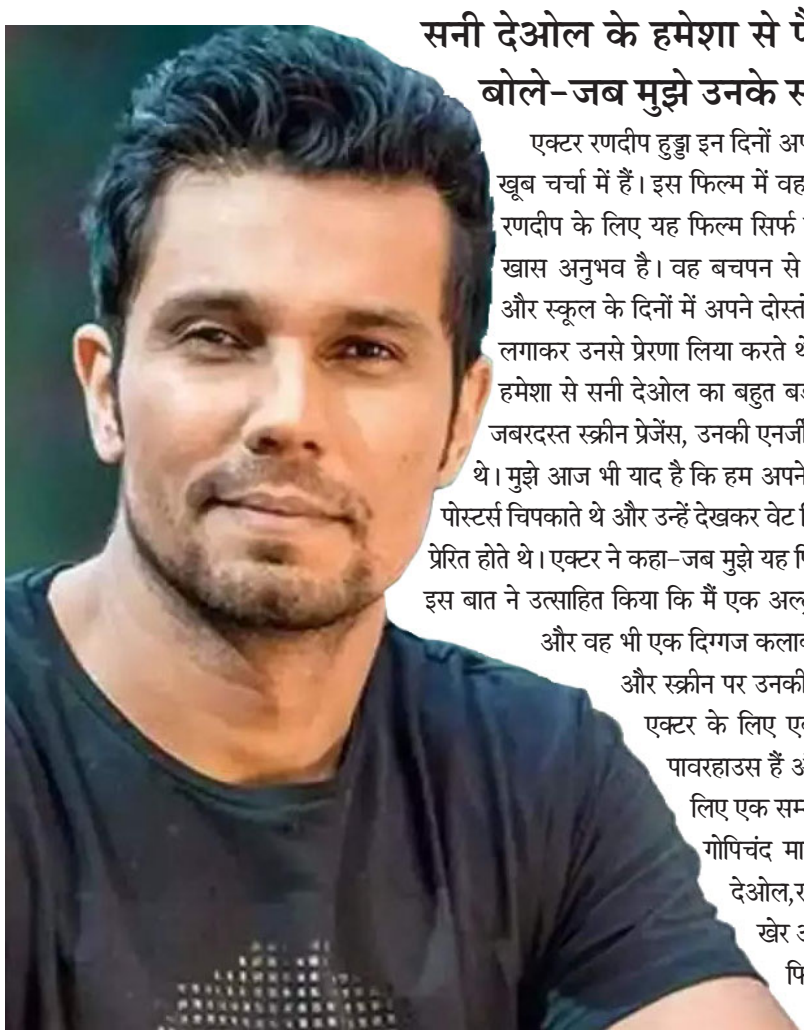

एक्टर रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जाट को लेकर खूब चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह सनी देओल के साथ नजर आएंगे। रणदीप के लिए यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक बेहद खास अनुभव है। वह बचपन से ही सनी देओल के बड़े फैन रहे हैं और स्कूल के दिनों में अपने दोस्तों के साथ उनके पोस्टर्स अलमारी में लगाकर उनसे प्रेरणा लिया करते थे।हाल ही में रणदीप हुड्डा ने कहा, मैं हमेशा से सनी देओल का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। बचपन में हम उनकी जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस, उनकी एनर्जी और उनकी फिटनेस से प्रभावित होते थे। मुझे आज भी याद है कि हम अपने स्कूल हॉस्टल की अलमारी में उनके पोस्टर्स चिपकाते थे और उन्हें देखकर वेट लिफ्टिंग और पुश-अप्स करने के लिए प्रेरित होते थे। एक्टर ने कहा-जब मुझे यह फिल्म ऑफर हुई, तो मुझे सबसे ज्यादा इस बात ने उत्साहित किया कि मैं एक अल्ट्रा-माचो एक्शन किरदार निभा रहा हूं और वह भी एक दिग्गज कलाकार सनी सर के सामने। उनकी एनर्जी और स्क्रीन पर उनकी तीव्रता के साथ मेल खाना किसी भी एक्टर के लिए एक सपना होता है। वह सच में एक पावरहाउस हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए एक सम्मान और एक चुनौती दोनों है। बता दें, गोपिचंद मालिनेनी निर्देशित फिल्म जाट में सनी देओल,रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा की अहम भूमिका है। फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होगी।

कहीं आपका रिश्ता भी तो टॉक्सिक नहीं है? ये 5 संकेत बताते हैं कि आपका रिलेशनशिप अनहेल्दी है

अक्सर लोग टॉक्सिक रिलेशनशिप में होते हैं लेकिन वो परिस्थितियों से समझौता करके रहने लगते हैं। ये उनके लिए बहुत कष्टदायक हो सकता है। आइए इस लेख में उन्हीं पांच संकेतों के बारे में बात करते हैं जो बताते हैं कि आपका संबंध टॉक्सिक है।

रिलेशनशिप जीवन के सबसे खूबसूरत चीजों में से एक है। यह इकलौता ऐसा संबंध है जिसमें अपने पार्टनर को हमें स्वयं चुनने की आजादी होती है। ये संबंध प्रेम, सम्मान और समझ पर टिके रहते हैं। मगर कभी-कभी ये रिश्ते जानें-अनजाने में टॉक्सिक हो जाते हैं, जो हमारी मानसिक और भावनात्मक सेहत को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। अगर आप अपने रिश्ते में खुशी की जगह तनाव महसूस कर रहे हैं, तो आपको समझने की जरूरत है कि कहीं आप टॉक्सिक रिलेशनशिप या अनहेल्दी रिलेशनशिप में तो नहीं हैं। एक्सपर्ट्स के मुताबिक कुछ संकेत आपकी आंखें खोल सकते हैं। आइए इस लेख में उन्हीं में पांच मुख्य संकेतों के बारे में बात करते हैं...

1. आपसी बातचीत भी टॉक्सिक लगने लगती है

क्या आप अपने साथी से बात करते समय हर बार असहज महसूस करते हैं? क्या अक्सर छोटी-छोटी बातों पर भी बहस हो जाती है और हर तर्क में आपका साथी ताना मारने लगता है? अगर ऐसा है, तो यह एक टॉक्सिक रिलेशनशिप का संकेत हो सकता है। एक हेल्दी रिलेशनशिप में बातचीत के बाद आपको सुकून मिलता है, जबकि एक टॉक्सिक रिलेशनशिप में हर बात आपको परेशान करती है और आपको कमजोर महसूस कराती है।

2. आपका पार्टनर आप पर नियंत्रण करने लगता है

क्या आपका पार्टनर आपकी हर छोटी-बड़ी चीज में दखल देता है? जैसे- आप क्या पहनें, किससे मिलें या कहां जाएं, हर चीज पर कंट्रोल करना चाहता है। ये व्यवहार रिश्ते में बराबरी को खत्म कर देता है। इससे दोनों के बीच सम्मान की भावना कम होने लगती है। एक हेल्दी रिलेशनशिप में आजादी और सम्मान दोनों होता है, लेकिन अगर आपको हर कदम पर रोक-टोक का सामना करना पड़ रहा है, तो ये टॉक्सिक रिलेशनशिप का संकेत हो सकता है।

3. हर वक्त मानसिक तनाव रहता है

रिलेशनशिप में रहते हुए अगर आपको हर समय चिंता, डर या तनाव महसूस होता है, तो ये सामान्य नहीं है। टॉक्सिक रिलेशनशिप में लोग अक्सर अपने पार्टनर को खुश करने की कोशिश में खुद को भूल जाते हैं। अगर आपको लगता है कि आप मानसिक रूप से थक गए हैं और सुकून गायब हो गया है, तो टॉक्सिक रिलेशनशिप का संकेत हो सकता है।

4. आपकी जरूरतों को मजाक बनाने लगता है

हर इंसान की अपनी जरूरतें होती हैं। आमतौर पर लोग इनके बारे में पहले अपने पार्टनर से ही बातें करते हैं। लेकिन अगर आपका पार्टनर हर बार आपकी इन जरूरतों को नजरअंदाज करता है या उनका मजाक उड़ाता है, तो ये टॉक्सिक रिलेशनशिप का संकेत हो सकता है।

5. आपकी सभी सामाजिक गतिविधियों का आलोचना करना

अगर आपका पार्टनर आपके दोस्तों के बीच में आपका मजाक उड़ाता है और साथ ही हर बात की आलोचना करता है तो ये टॉक्सिक रिलेशनशिप का संकेत है। एक हेल्दी रिलेशनशिप में दोस्तों, परिवार, या सगे-संबंधियों के सामने आपका पार्टनर हमेशा आपको सहज महसूस करता है।अगर इनमें से ज्यादातर संकेत आपके रिश्ते में दिखते हैं, तो रुक कर सोचें। अपने पार्टनर से खुलकर बात करें। अगर हालात न सुधरें, तो दोस्तों, परिवार या काउंसलर की मदद लें। अपनी मानसिक सेहत को प्राथमिकता दें।

गर्मी के मौसम में रोज कितना पानी पीना चाहिए? कम पानी पीने से हो सकती हैं ये तीन दिक्कतें

पानी हमारे शरीर के लिए ईंधन की तरह काम करता है। मगर अक्सर लोगों के मन में सवाल होता है कि आखिर एक दिन में कितना पानी पीना अच्छा रहता है। आइए इस लेख में इसी सवाल का जवाब ढूंढते हैं।

हंड्ी१ क्लइ"ी ल्ल र्श्ी१: गर्मी का मौसम आते ही हमारे शरीर को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। पसीने के जरिए शरीर से काफी पानी निकल जाता है, इसलिए शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी है। लेकिन अक्सर लोग पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अब बहुत से लोगों के मन में सवाल होगा कि एक आम इंसान को आखिर दिनभर में कम से कम कितना पानी पीना चाहिए। आइए इस लेख में इसी के बारे में विस्तार से जानते हैं, साथ ही ये भी जानेंगे कि पानी कम पीने से सेहत पर क्या असर पड़ता है?

गर्मियों में कितना पानी पीना चाहिए?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, गर्मियों में वयस्कों को आमतौर पर प्रतिदिन 8-10 गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है। यानी हर दिन 2-3 लीटर पानी पीना चाहिए। हालांकि, यह मात्रा व्यक्ति की शारीरिक गतिविधि, जलवायु और स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करती है। जैसे अगर आप ज्यादा व्यायाम करते हैं या कोई शारीरिक रूप से कठिन काम करते हैं, तो आपको अधिक पानी पीने की आवश्यकता होगी। साथ ही जो लोग गर्म वातावरण में रहते हैं उन्हें अधिक पानी पीने की आवश्यकता होती है।

क्या स्किन व्हाइटनिंग क्रीम रंग गोरा करती है? जानें इस बात की सच्चाई

अक्सर लोगों के ताने सुनकर महिलाएं अपना रंग गोरा करने के लिए क्रीमों का इस्तेमाल करती हैं। पर, क्या इनसे रंग गोरा होता है ? आइए इस कथन की सच्चाई जानते हैं।

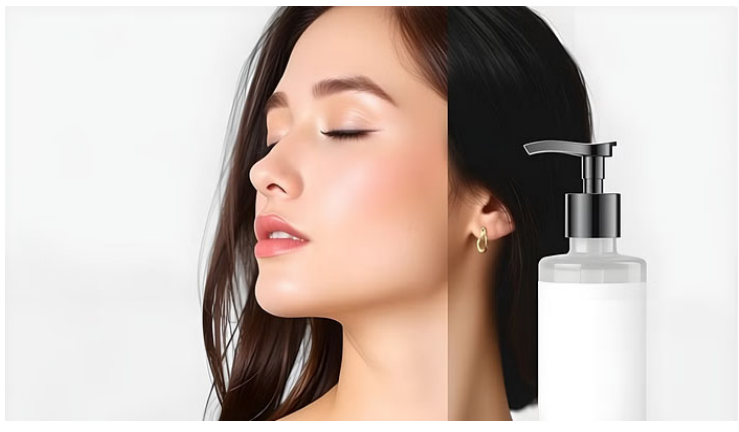

र्ल्ल ह्ढ्रील्व्रल्लॅ उ१ींर: अक्सर आपने टीवी पर एक एड देखा होगा, जिसमें किसी लड़की की सिर्फ इस वजह से शादी नहीं होती, क्योंकि उसका रंग सांवला होता है। फिर उसके घरवाले सलाह देते हैं कि ये क्रीम इस्तेमाल करो, रंग गोरा हो जाएगा। क्रीम के इस्तेमाल के बाद वाकई में लड़की का रंग दूध सा निखर जाता है और फिर उसकी शादी हो जाती है।

ये एड देखने में तो बहुत से लोगों को अच्छा लगता है, लेकिन क्या आप भी इस बात पर भरोसा करते हैं कि किसी क्रीम के इस्तेमाल से चेहरे का रंग सांवले से गोरा हो जाए। अगर आपको इस बात पर संशय है तो हम आपका ये डाउट दूर करेंगे। यहां हम आपको इस मिथक से जुड़ी सच्चाई बताएंगे कि किसी स्किन व्हाइटनिंग क्रीम के इस्तेमाल से रंग गोरा हो सकता है या नहीं ?

पहले जानें कैसे करती है काम

यदि आप अपना रंग गोरा करने के लिए किसी स्किन व्हाइटनिंग क्रीम को इस्तेमाल करना चाहते हैं तो पहले जान लें कि ये आखिर काम कैसे करती है। दरअसल, स्किन व्हाइटनिंग क्रीमों में हाइड्रोक्विनोन, कोजिक एसिड जैसे तत्व पाए जाते हैं जो मेलेनिन की मात्रा को नियंत्रित कर सकते हैं।

मेलेनिन वो तत्व होता है, जो जिसके कम होने से त्वचा सफेद दिखने लगती है। इसकी वजह से रंग गोरा नहीं होता, लेकिन चेहरा सफेद पड़ने लगता है। बहुत की क्रीमों में हाइपरपिगमेंटेशन, झाइयों और टैनिंग को कम करने में मदद कर सकती है, जिस वजह से चेहरा साफ दिखने लगता है।

वहीं कई स्किन व्हाइटिंग क्रीम चेहरे को डीप क्लीन करके अंदर तक साफ करती हैं, जिस वजह से स्किन टोन लाइट हो जाती है।

कितनी सुरक्षित है ?

अब जान लें कि बाजार में मिलने वाली ये स्किन व्हाइटनिंग क्रीम कितनी सुरक्षित हैं ? दरअसल, इन क्रीमों में भारी मात्रा में स्टेरॉयड, मर्करी (पारा) और हाइड्रोक्विनोन पाए जाते हैं, जिनके लंबे समय तक इस्तेमाल से आपकी त्वचा पर गलत प्रभाव पड़ सकता है।

इसलिए डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी स्ट्रॉन्ग स्किन लाइटनिंग क्रीम इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए। चे आपके चेहरे को गोरा करने की बजाए अजीब बना सकती हैं।

ईडन गार्डेंस के पिच क्यूरेटर और केकेआर के कप्तान रहाणे के बीच विवाद गरमाया

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में विवादों का दौर भी शुरू हो चुका है। एक नए विवाद में कोलकाता के ईडन गार्डेंस

के पिच क्यूरेटर सुजान मुखर्जी और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल, रहाणे ने सुजान के सामने आईपीएल के 18वें सत्र के ओपनिंग मैच से पहले आरसीबी के खिलाफ स्पिन मददगार पिच की मांग रखी थी। लेकिन सुजान ने इसे अस्वीकार कर दिया था और इसके बाद उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।इसका नतीजा यह हुआ था कि ओपनिंग मैच में ही डिफेंडिंग चैंपियन को बड़ी हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद रहाणे ने पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में निराशा व्यक्त की थी। फिर सुजान का एक इंटरव्यू आया, जिसमें उन्होंने रहाणे के व्यवहार की आलोचना की। इस पर उनका विरोध हुआ और अब सुजान ने अपने बयान पर यू-टर्न ले लिया है। आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है...आईपीएल 2025 के शुरूआती मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से केकेआर की बड़ी हार के बाद रहाणे ने मैच के लिए इस्तेमाल की गई पिच पर अपनी निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा था कि ईडन गार्डेंस में उन्हें स्पिन-फ्रेंडली ट्रैक देखने की उम्मीद की थी। उन्होंने कहा, 'हम पिच से स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलते हुए देखना पसंद करेंगे, लेकिन पिछले कुछ दिन से यह विकेट कवर्स के अंदर था। हमारे पास दो-दो स्पिनर्स हैं और उनकी क्वालिटी को देखते हुए, वे किसी भी तरह के विकेट पर गेंदबाजी कर सकते हैं और मुझे यकीन है कि वे आत्मविश्वास से भरे भी हैं।'इसके बाद पिच क्यूरेटर सुजान ने रेवस्पोर्ट्ज से बात की थी। सुजान ने कहा था कि वह पिच में कोई बदलाव नहीं करने जा रहे थे और यहां तक कि उन्होंने आरसीबी के स्पिनरों का उदाहरण भी दिया था। उन्होंने कहा, 'आईपीएल के नियमों के मुताबिक पिच को लेकर फ्रेंचाइजियों की कोई राय नहीं होती है। जब से मैंने कार्यभार संभाला तब से यहां की पिचें इस तरह की हैं। पहले भी ऐसा ही था। चीजें अब नहीं बदली हैं और भविष्य में भी इसमें बदलाव नहीं होगा।'उन्होंने कहा, 'आरसीबी के स्पिनरों ने मिलकर चार विकेट चटकाए। केकेआर के स्पिनरों ने क्या किया? क्रुणाल पांड्या को तीन विकेट मिले। सुयश शर्मा को भी टर्न मिला और उन्होंने आंद्रे रसेल को खूब परेशान किया।' हालांकि, अपनी इस टिप्पणी को लेकर सुजान मुखर्जी को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। इसके बाद वह अपने पहले के बयानों से पीछे हट गए और कहा कि उन्होंने केकेआर के किसी अनुरोध को कभी खारिज नहीं किया।बाद में सुजान ने फिर बयान दिया और कहा, 'किसी भी अधिकारी या खिलाड़ी ने पहले मैच के लिए पिच की जरूरत के बारे में नहीं पूछा था। अभ्यास के समय केकेआर के एक कोच ने मुझसे पिच के व्यवहार के बारे में जरूर पूछा था।

बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' को मिलेगा नया स्पिन बॉलिंग कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई)' को साइराज बहुतुले की जगह

जल्द ही नया स्पिन गेंदबाजी कोच मिलेगा। बहुतुले ने इस साल की शुरूआत में आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया था। सीओई को पहले राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के रूप में जाना जाता था। यह अब बेंगलुरु में नए स्थल पर स्थानांतरित हो गया है।यह पद बहुतुले के जाने के बाद से रिक्त पड़ा है और अब बोर्ड ने इस पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं, जो 'भारत की सीनियर टीमों (पुरुष और महिला), भारत ए, अंडर-23, अंडर-19, अंडर-16 और अंडर-15 टीमों तथा बीसीसीआई सीओई में प्रशिक्षण लेने वाले राज्य संघ के खिलाड़ियों सहित सभी प्रारूपों और आयु समूहों में भारत की स्पिन गेंदबाजी प्रतिभा के विकास और प्रदर्शन में सुधार के लिए महत्वपूर्ण होगा।'स्पिन गेंदबाजी कोच सीओई में क्रिकेट प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को जवाबदेह होगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी मीडिया विज्ञप्ति में कहा, 'स्पिन गेंदबाजी कोच बीसीसीआई सीओई के क्रिकेट प्रमुख के साथ मिलकर काम करेगा ताकि विशेष कोचिंग कार्यक्रम तैयार कर उस पर अमल किया जा सके और खिलाड़ियों के प्रदर्शन निगरानी में सहायता की जा सके।' उन्होंने कहा, 'इस भूमिका के लिए चयनकर्ताओं, राष्ट्रीय और राज्य कोचों, प्रदर्शन विश्लेषकों और स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञों के साथ मिलकर उच्च प्रदर्शन प्रशिक्षण योजनाएं विकसित करना भी शामिल है।'नए स्पिन गेंदबाजी कोच की प्रमुख जिम्मेदारियों में से सबसे अहम सीओई में चोटिल क्रिकेटरों का रिहैबिलिटेशन और मैच फिटनेस प्रमाणन होगा।

प्लेयर ऑफ द मैच 'लॉर्ड शार्दुल' का बयान....

बोले- उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपरजाएंट्स ने वह कर दिखाया जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। ऐसा कहा जा रहा था

कि ऑन पेपर लखनऊ की गेंदबाजी बेहद कमजोर है, लेकिन उसी गेंदबाजी लाइन अप की बदौलत लखनऊ ने पहले सनराइजर्स हैदराबाद को 200 के अंदर रोका और फिर 23 गेंद रहते पांच विकेट से जीत हासिल की। लखनऊ ने उस टीम को हराया, जिसे इस सीजन की सबसे मजबूत टीम माना जा रहा है। लखनऊ की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले शार्दुल ठाकुर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।मैच के बाद उन्होंने कहा कि नीलामी में नहीं बिकने के बाद वह निराश जरूर थे, लेकिन उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं। शार्दुल ने जहीर खान का भी जिक्र किया और कहा कि उन्होंने मुझसे उम्मीद बनाए रखने के लिए कहा था। शार्दुल ने मैच में चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट झटके। लखनऊ ने हैदराबाद को हराकर बाकी टीमों के लिए भी उम्मीद जगाई है कि मैदान पर अच्छा खेल मायने रखता है, ऑन पेपर मजबूती नहीं।प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड पाने के बाद शार्दुल से पूछा गया कि नीलामी में नहीं बिकने पर क्या उन्होंने इस सीजन खेलने के बारे में सोचा था? इस पर शार्दुल ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो नहीं, लेकिन मैंने अपनी योजना बना ली थी। आईपीएल में नहीं चुने जाने की स्थिति में मैंने काउंटी क्रिकेट खेलने की भी योजना बनाई थी। जब मैं रणजी ट्रॉफी में खेल रहा था तो जहीर खान ने मुझे फोन किया था। उन्होंने मुझसे कहा कि आपको रिप्लेसमेंट के रूप में बुलाया जा सकता है, इसलिए खुद को स्विच ऑफ मत करो। यदि आपको रिप्लेसमेंट के रूप में बुलाया जाता है, तो आपके प्लेइंग-11 में खेलने की संभावना है।'शार्दुल ने कहा, 'उतार-चढ़ाव जीवन का हिस्सा हैं। मैंने हमेशा अपने स्किल का समर्थन किया है। कुछ स्विंग और जैसा कि मैंने पहले भी देखा है, हेड और अभिषेक को रिस्क उठाना और मौके का फायदा उठाना पसंद है। इसलिए मैंने सोचा कि मैं भी इनके खिलाफ कोशिश करूंगा और मौके का फायदा उठाऊंगा।

नई गेंद ऐसी चीज है जहां आप स्विंग करते समय विकेट ले सकते हैं और मैंने इस मैच में अपने मौके बनाए।' शार्दुल ठाकुर छह विकेट लेकर फिलहाल पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे हैं।शार्दुल ने आईपीएल में गेंदबाजों को मिल रही कम मदद के बारे में भी बात की और कहा कि पिच बल्लेबाजों के अनुकूल बनाए गए हैं और यह गेंदबाजों के लिए गलत है।

चीन में 'पांडा बॉन्ड' जारी कर पैसे जुटाएगा पाकिस्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। आईएमएफ से मदद हासिल करने के बाद अब कर्जे से जूझ रहा पाकिस्तान फिर से चीन पर डोरे डालने लगा है। पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने बताया है कि उनका देश पहली बार चीन में पांडा बॉन्ड जारी करने को तैयार है। पांडा बॉन्ड चीन में विदेशी संस्थाओं की ओर से युआन में ऋण हासिल करने का जरिया हैं। इसके जरिए बैंकों, परिसंपत्ति प्रबंधकों और बीमा कंपनियों को चीनी संस्थाओं से निवेश हासिल करने का मौका मिलता है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।आईएमएफ से मदद हासिल करने के बाद अब कर्जे से जूझ रहा हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान अब ड्रैगन को रिझाने की तैयारी में है। पाकिस्तान चीन के व्यापक पूंजी बाजार का लाभ उठाने के लिए इस साल युआन में पांडा बांड जारी कर सकता है। देश के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने इसकी जानकारी दी है।एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, बोआओ फोरम फॉर एशिया के दौरान चीन के सीजीटीएन के साथ एक साक्षात्कार में बोलते हुए औरंगजेब ने कहा कि पाकिस्तान चीन के बांड बाजार में कदम रखने के लिए तैयार है। इससे पहले वह केवल पश्चिमी बाजारों में ही ऋणपत्र जारी करता था। उन्होंने कहा, "मैं वकालत करता रहा हूं और मैं बहुत उत्सुक हूं कि पाकिस्तान... पांडा बॉन्ड की शुरूआत करे।" हमें पूरी उम्मीद है कि इस कैलेंडर वर्ष के दौरान हम ऐसा करेंगे।पांडा बॉन्ड चीन में विदेशी संस्थाओं की ओर से युआन में ऋण हासिल करने का जरिया हैं। वे बैंकों, परिसंपत्ति प्रबंधकों और बीमा कंपनियों सहित चीनी वित्तीय संस्थानों से निवेश हासिल करने का मौका देते हैं। पांडा बॉन्ड एक ऐसा बॉन्ड हो जो चीन के घरेलू बॉन्ड बाजार में विदेशी कंपनियों, सरकारों या वित्तीय संस्थानों की ओर से चीनी मुद्रा युआन में जारी किया जाता है।

लखनऊ ने खोला जीत का खाता

एजेंसी

नई दिल्ली। शार्दुल ठाकुर की घातक गेंदबाजी के बाद निकोलस पूरन और मिचेल मार्श की धमाकेदार पारियों की बदौलत लखनऊ

सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने पांच विकेट से सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को हरा दिया। यह लखनऊ की मौजूदा टूर्नामेंट में पहली जीत है। इससे पहले उन्हें दिल्ली ने एक विकेट से करारी शिकस्त दी थी। गुरुवार को राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद ने 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने 16.1 ओवर में पांच विकेट गंवाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। 23 गेंदों के शेष रहते मुकाबला जीतकर लखनऊ ने अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। वहीं, इस मैच से पहले शीर्ष पर काबिज सनराइजर्स हैदराबाद छठे स्थान पर खिसक गई। उनका नेट रनरेट -0.128 हो गया। वहीं, अपने पहले मैच में कोलकाता को सात विकेट से मात देने वाली आरसीबी दो अंक और +2.137 के नेट रनरेट के साथ पहले स्थान पर पहुंच गई। 191 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरूआत झटके के साथ हुई थी। उन्हें पहला झटका मोहम्मद शमी ने एडेन मार्करम के रूप में दिया। वह सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद मिचेल मार्श और निकोलस पूरन ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 43 गेंदों में 116 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान पूरन ने 18 गेंदों में अपने करियर का 10वां पचासा जड़ा। उन्होंने 26 गेंदों में 70 रनों दमदार पारी खेली। यह मौजूदा सत्र में उनके बल्ले से निकला दूसरा अर्धशतक है। उनके अलावा मिचेल मार्श ने 52 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से सात चौके और दो छक्के निकले। हैदराबाद के खिलाफ कप्तान ऋषभ पंत ने 15 और आयुष बडोनी ने छह रन बनाए। वहीं, डेविड मिलर और अब्दुल समद क्रमशः 13 और 22 रन बनाकर नाबाद रहे। हैदराबाद के लिए पैट कमिंस ने दो विकेट झटके जबकि मोहम्मद शमी, एडम जैम्पा और हर्षल पटेल को एक-एक सफलता मिली। मुकाबले की शुरूआत से पहले कयास लगाए जा रहे थे कि अपने घर में मुकाबला खेल रही हैदराबाद 300 से ज्यादा का स्कोर तैयार कर सकती है। हालांकि, लखनऊ के घातक गेंदबाजों ने उन्हें 200 का आंकड़ा भी नहीं छूने दिया। सलामी बल्लेबाजी के लिए उतरे अभिषेक शर्मा सिर्फ छह रन बनाकर आउट हुए।

ऑलराउंड प्रदर्शन के साथ

मोदी सरकार का केंद्रीय कर्मचारियों को तोहफा, महंगाई भत्ते में दो फीसदी की बढ़ोतरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 2% की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के लागू होने पर डीए 53% से बढ़कर 55% हो जाएगा आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 2% की वृद्धि को मंजूरी दे दी है। इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से यह खबर साझा की है। इस संशोधन के साथ, डीए 53% से बढ़कर 55% हो जाएगा, जिससे कर्मचारियों को वेतन में वृद्धि मिलेगी। पिछली बार डीए में वृद्धि जुलाई 2024 में हुई थी, जब इसे 50% से बढ़ाकर 53% किया गया था।

सीएम योगी ने अस्पताल में भर्ती बच्चों से की मुलाकात, डाक्टरों को दिए निर्देश

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को यहां लोक बंधु राजनारायण संयुक्त अस्पताल पहुंचकर निर्वाण राजकीय बाल गृह के बीमार बच्चों से उनका कुशलक्षेम जाना और अधिकारियों को उनके उपचार के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। अधिकारियों के अनुसार एक राजकीय बाल गृह में हाल में संभवतः दूषित पानी पीने से चार दिव्यांग बच्चों की मौत हो गयी और 12 से अधिक बीमार हो गये। अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे लोक बंधु राजनारायण संयुक्त अस्पताल में भर्ती बच्चों से मिलने पहुंचे। उन्होंने बच्चों से उनका हालचाल जाना, उनकी तबीयत के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने एक बच्चे से पूछा कि तबीयत ठीक है, फिर यह भी पूछा कि पहचान रहे हो, बच्चे ने दोनों हाथ उठाकर अपनी सहमति जतायी। अधिकारियों ने कहा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बारी-बारी से बच्चों के बिस्तर के पास गये और गंभीर स्थिति में दिख रहे बच्चों के बारे में चिकित्सकों से भी जानकारी प्राप्त की। जब मुख्यमंत्री एक बच्चे के बिस्तर के पास पहुंचे तो उसे मुस्कुराते देखा गया। मुख्यमंत्री योगी ने बच्चे से कहा कि बैठ जाओ जिसके बाद वह बैठ गया। मुख्यमंत्री ने उसका नाम पूछा और प्रोत्साहित किया।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने बच्चों के उपचार में लगे चिकित्सकों की टीम से भी बातचीत की। योगी के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों तथा अधिकारियों को बच्चों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के निर्देश दिए और उनके स्वास्थ्य के अनुसार भोजन उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। मुख्यमंत्री ने कहा, बच्चों के इलाज में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद ही उन्हें छुट्टी दी जाए। अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक (एमएस) डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने बताया कि बाल गृह के 16 बच्चों को बृहस्पतिवार को वार्ड नंबर-30 के सामान्य पुरुष वार्ड में भर्ती कराया गया था। सभी की हालत सामान्य है। उनकी नियमित निगरानी की जा रही है। इस दौरान प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय संजय प्रसाद, प्रमुख सचिव लीना जौहरी, लखनऊ मंडलायुक्त डॉ. रौशन जैकब, जिलाधिकारी विशाख जी, अस्पताल के एमएस डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी, डॉ. सरोज और डॉ. राजीव दीक्षित आदि मौजूद रहे। लखनऊ के पारा इलाके में निर्वाण राजकीय बाल गृह में 147 बच्चे रहते हैं, जिनमें मुख्य रूप से अनाथ और मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चे शामिल हैं। मंगलवार शाम को बाल गृह के 20 से अधिक बच्चे संभवतः दूषित पानी पीने के कारण बीमार पड़ गए और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

वक्फ का संबन्ध सीधे इस्लामी शरीअत से है: खालिद रशीद

इमाम ईदगाह का अलविदा में सम्बोधन

लखनऊ (संवाददाता)। बैतुल मुकद्दस और किब्ला अव्वल जैसी मुबारक जगहों पर अमेरीकी सरकार की साजिशों से इज्राईलियों ने कब्जा कर रखा है। उन्होने फिलिस्तीन के निवासियों पर जुल्म व सितम के पहाड़ तोड़ रखे हैं जिसका उदाहरण पूरी दुनिया में नही मिलती। वह निर्दोष फिलिस्तीनी मुसलमानों का कत्ल-ए-आम कर रहे हैं। इन विचारों को इमाम ईदगाह व काजी-ए-शहर लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने प्रकट किया। वह जामा मस्जिद ईदगाह लखनऊ में अलविदा की नमाज से पहले नमाजियों की बहुत बड़ी भीड़ को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने कहा कि सैहूनियों ने अक्तूबर 2023 से लेकर आज तक फिलिस्तीन में गज्जा के नागरिकों पर जो जुल्म ढ़ाये हैं मालूम इंसानी तारीख में इसकी कोई मिसाल नही मिलती है। गज्जा के बच्चों, औरतों, मर्दो और बूढ़ों का जिस तरह कत्ल आम किया जा रहा है वह नस्ल कुशी की साजिश है। जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय ताकतें पूरी तरह शरीक हैं। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि जिस के भी पहलू में इंसानी दिल है वह निर्दोष फिलिस्तीनी मुसलमानों पर किये जाने वाले कयामत खेज जुल्म पर बेचैन हो जायेगा।

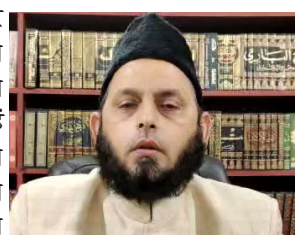

उन्होने हजारों फिलिस्तीनी शहीदों के लिए दुआये मगफिरत की और गज्जा के गाजियों के जीत व नुसरत की दुआयें कीं। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि मस्जिद अकसा मस्जिद हराम और मस्जिद नबवी सल्ल0 के बाद तीसरी सबसे मोहतरम मस्जिद है। नबी पाक सल्ल0 और आपके सहाबा ने 17 माह इस की तरफ रुख करके नमाजें पढ़ी हैं। उन्होने अन्तर्राष्ट्रीय संगठन पर से अपील की कि वह जल्द से जल्द फिलिस्तीन के मसले का ठोस हल तलाश करे ताकि दुनिया अमन व शान्ति का गहवारा बन सके। मौलाना ने कहा कि जब तक फिलिस्तीनी मुसलमानों के साथ न्याय नही होगा उस वक्त तक दुनिया में सही अर्थो में न्याय नही होगा।

मौलाना ने इराक, शाम, यमन म्यांमार, चीन, और दुनिया के अलग अलग हिस्सों में मुसलमानों पर हो रहे अन्याय पर चिंता प्रकट की। ऑल इण्डिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर आज लखनऊ के मुसलमान अपने दायें बाजू पर काली पट्टी बॉध कर नमाज अदा करने मस्जिद गए। इस तरह से मुसलमानों ने एक पुर अमन और खामोश एहतिजाज वक्फ़ संशोधन बिल के कानून के खिलाफ किया।

सपा को मेरे ऊपर कराए जानलेवा हमले का पश्चताप भी जरूर करना चाहिए: मायावती

लखनऊ (संवाददाता)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव पर एक बार फिर से निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा आगरा की घटना की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटी सेंकना बंद करे। इससे पहले मायावती ने सपा पर राजनैतिक लाभ के लिए दलित नेताओं को आगे करके घिनौनी राजनीति करने और उनका शोषण करने का आरोप लगाया था। बसपा प्रमुख ने एक्स पर सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व की सरकार में हुई एक घटना की याद दिलाते हुए पोस्ट में कहा, आगरा की घटना के साथ-साथ सपा मुखिया को इनकी (सपा की) सरकार में दो जून 1995 को लखनऊ स्टेट गेस्ट हाऊस कांड में इस पार्टी द्वारा मेरे ऊपर कराया गया जानलेवा हमला भी जरूर याद कर लेना चाहिए तथा इसका पश्चताप भी जरूर करना चाहिए।

अलविदा की नमाज पर इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में आज अलविदा की नमाज के दौरान प्रदर्शन किया गया। सुन्नी समुदाय ने वक्फ बिल का विरोध किया तो शिया ने इजरायल का। नमाजी मस्जिद पहुंचे तो उनके हाथों पर काली पट्टी थी। वहीं इजरायल के विरोध में नेतन्याहू आतंकी है का पोस्टर लेकर निकले। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा- हमारी हुकूमत अमेरिका की गुलाम हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारा देश हर काम के लिए अमेरिका से परमिशन ले रहा है। अमेरिका हमारा बाप है क्या। उसी से सबकुछ क्यों पूछ रहे।

कल्बे जव्वाद की अगुआई में लोगों ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीर जलाई और मुदार्बाद के नारे लगाए। समाजवादी पार्टी से विधायक रविदास मेहरोत्रा काली पट्टी बांधकर टीले वाली मस्जिद पहुंचे। उन्होंने कहा- बीजेपी नफरत फैला रही और हम प्यार। वो लोग दुर्गंध फैला रहे हैं, हम सुगंध फैला रहे हैं।

मौलाना ने कहा पूरे लखनऊ में रमजान के आखिरी जुमे की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गई। मुल्क की तरक्की के साथ फिलिस्तीन में अमन और शांति के लिए दुआ की गई।

संक्षिप्त सामाचार

मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अखिलेश पर कसा तंज, कहा, गौशाला से इन्हें दुर्गन्ध आती है और बूचड़खाने से सुगंध आती है

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश के गौशाला वाले बयान को लेकर छिड़ी जंग पर जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने अखिलेश यादव पर तंज कसा है। उन्होंने पोस्ट कर कहा कि इन्हें गौशाला से दुर्गन्ध आती है, और बूचड़खाने से सुगंध आती है। दरअसल, यादव ने कन्नौज में मीडिया से बातचीत में कहा था, कन्नौज ने हमेशा से ही भाईचारे की खुशबू फैलाई है, जबकि भाजपा नफरत की बदबू फैला रही है। मैं कन्नौज के लोगों से भाजपा की बदबू पूरी तरह से समाप्त करने का आग्रह करता हूं। यह कुछ हद तक घट गई है, लेकिन अगली बार इसे पूरा हटा दें, ताकि कन्नौज का रुका हुआ विकास आगे बढ़ सके। अखिलेश ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, उन्हें (भाजपाइयों को) बदबू पसंद है तभी वे गौशालाएं खोल रहे हैं। हमें खुशबू पसंद है, तभी हम एक परफ्यूम पार्क बना रहे हैं।

राणा सांगा पर छिड़ा संग्राम, सपा प्रमुख के खिलाफ सड़क पर उतरी एबीवीपी, फूंका पुतला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन के राणा सांगा वाले विवादित बयान पर विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रदेशभर में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। शुक्रवार को लखनऊ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने एक विशाल धरना प्रदर्शन किया। आपको बता दें कि बीते बुधवार 26 मार्च को करणी सेना के समर्थकों ने सपा नेता रामजीलाल सुमन के घर पर जमकर तोड़फोड़ की थी। वहीं अब इसके 2 दिन बाद राजधानी लखनऊ में राणा सांगा के मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया जा रहा है। राजधानी में इस मुद्दे को लेकर आज राज्यसभा में भी जमकर हंगामा किया गया। जिसके बाद से अब लखनऊ में भी समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ तमाम संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने समाजवापी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला फूंका। एबीवीपी ने भाजपा मुख्यालय के पास विरोध प्रदर्शन किया। विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं की मांग है कि इस पर सख्त एक्शन ले और सांसद रामजीलाल सुमन राणा सांगा मुद्दे को लेकर माफी मांगें। इस दौरान कार्यकताओं ने जमकर हंगामा किया। इस मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर पीएम के विमान का मॉक ड्रिल, रनवे को टच किए बिना ही भरी उड़ान

लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्री मोदी का विमान आज सुबह 10.30 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पर डीजीसीए के नियमों के तहत मॉकड्रिल करने पहुंचा। लेकिन लखनऊ के रन वे को टच न करते हुए उड़ान भर लिया। जिसको लेकर एविएशन विभाग के सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का विमान जब कभी ज्यादा चल लेता है तो उसके बाद इस तरह के ड्रिल कराए जाते हैं। लखनऊ में ये मॉकड्रिल करने के पीछे का सबसे बड़ा मकसद है कि अभी यहां पर विमान की आवाजाही कम है। यह दिल्ली से बहुत ही करीब पड़ता है। इसी कारण सुबह 10.30 से 11.00 बजे के बीच में मॉकड्रिल की गई है। प्रधानमंत्री मोदी के इस विशेष विमान का नाम इंडिया वन है। ये बोइंग 777 मॉडल का एकदम नया विमान है। इसकी डिलिवरी भारत को पिछले साल अक्टूबर 2020 में हुई। इस तरह दो विमान भारत ने अमेरिकी बोइंग कंपनी से खरीदे हैं। ये दो इंजन वाला विमान है। इसके इंजन जीई 90 फिलहाल विमानों में इस्तेमाल होने वाले सबसे पॉवरफुल इंजन है। इस विमान का इंटीरियर तो खास है ही, इसमें बाहर एक ओर हिंदी से भारत लिखा है और दूसरी ओर इंडिया। विमान पर अशोक चिन्ह अंकित है। ये देश का वीवीआई विमान है, जिसका इस्तेमाल प्रधानमंत्री के अलावा राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति भी कर सकते हैं। फिलहाल इस विमान को इंडियन एयर फोर्स के पायलट आपरेट करते हैं।

चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उत्तर प्रदेश द्वारा एक आवश्यक बैठक हुई

लखनऊ (संवाददाता)। पुरानी पेंशन बहाली एवं यूनिफाइड पेंशन योजना के विरोध में चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ उत्तर प्रदेश द्वारा एक आवश्यक बैठक राजकीय नर्सेज संघ उत्तर प्रदेश के कार्यालय की गई जिसमें यह निर्णय लिया है कि अटेवाध एन०एम०ओ०पी०एस०के नेतृत्व में 1 अप्रैल 2025 को पूरे देश में काला दिवस मनाया जाएगा एवं सभी जनपदों के कर्मचारियों अधिकारियों द्वारा अपने अपने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेंगे जिसमें समस्त चिकित्सा स्वास्थ्य महासंघ के पदाधिकारी,कर्मचारी एवं अधिकारी अपने अपने कार्य स्थल पर ड्यूटी करते हुए काली पट्टी बाँधकर काला दिवस मनायेंगे। एवं बलरामपुर चिकित्सालय लखनऊ उत्तर प्रदेश के समस्त कर्मचारियों ध्अधिकारी01 अप्रैल दिन मंगलवार को दोपहर 1.30 बजे सभी कर्मचारी ,अधिकारी निदेशक कार्यालय के बाहर एकत्रित होकर जिलाधिकारी को पुरानी पेंशन बहाली के लिए एवं यूनिफाइड पेंशन योजना (यूपीएस) के विरोध का ज्ञापन सौंपने के लिए ग्लोब पार्क निकट स्वास्थ्य भवन पहुँचकर अटेवा एन एम ओ पी एस द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होकर जिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन सौंपा जाएगा। क्योंकि 1 अप्रैल 2004 से पुरानी पेंशन बन्द कर दी गई थी,और फिर 1 अप्रैल 2025 से एन पी एस के स्थान पर यू ०पी० एस० (यूनिफाइड पेंशन स्कीम)का विकल्प सरकार भरवाने जा रही है। उक्त बैठक में राजकीय नर्सेज संघ,अमिता रौस,स्मिता,गिताशु, राजेश,जितेंद्र,महेन्द्र लैब टेक्नीशियन एसोसिएशन कमल श्रीवास्तव,सुनील कुमार,डिप्लोमा फामेर्सी एसोसिएशन कपिल वर्मा , श्रवण सचान,सर्वेश पाटिल,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ शैलेन्दर सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे ।

उप्र राज्य महिला आयोग की मासिक बैठक में हुई समीक्षाएं

लखनऊ (संवाददाता)। शुक्रवार को उ प्र राज्य महिला आयोग में मासिक बैठक का आयोजन उ प्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ बबीता सिंह चैहान की अध्यक्षता में किया गया। बैठक का शुभारम्भ आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चैहान, उपाध्यक्ष अपर्णा यादव द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

रंगरेजा रेस्टोरेंट के रोजा- इफ्तार में शामिल हुए सभी धर्मों के लोग

- रंगरेजा रेस्टोरेंट के मैनेजर अश्वनी गुप्ता ने सभी रोजेदारों के प्रति व्यक्त किया आभार
- रंगरेजा रेस्टोरेंट का रोजा इफ्तार निश्चित तौर पर हिंदू-मुस्लिम मुस्लिम एकता का प्रतीक : मुहम्मद रजा लड्डन खां

गोरखपुर। रंगरेजा रेस्टोरेंट में रोजेदारों के लिए बशारतपुर में रोजा इफ्तार का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के तमाम रोजेदारों के अलावा महानगर के संभ्रांत नागरिकों के साथ ही साथ कई स्वयंसेवी संगठनों के अध्यक्षों की भी रोजा इफ्तार में शिरकत हुई। रोजा इफ्तार के बाद मुल्क की तरक्की और भाईचारे की हिफाजत की दुआएं मांगी गई। इस मौके पर रंगरेजा रेस्टोरेंट के मैनेजर अश्वनी गुप्ता ने सभी रोजेदारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप लोगों ने गंगा जमुनी तहजीब वाले कार्यक्रम में शिरकत फरमाकर देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि सदियों से चली आ रही एकता और भाईचारे के बीच हम सब एक साथ एक दूसरे के सुख-दुख में शामिल होकर अपने सारे काम को संचालित करते हैं। ऐसे में सभी धार्मिक अनुष्ठानों का सम्मान करने के लिए एक दूसरे की भावनाओं से जुड़कर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहना चाहिए। गुप्ता ने कहा कि रंगरेजा रेस्टोरेंट का अपना एक प्रयास है कि सभी धर्म, मजहब और पंथ के लोगों को एक साथ जोड़कर देश की तरक्की में आगे बढ़ने का एक प्रयास है। इस अवसर पर ऑल इंडिया उर्स कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद राजा लड्डन खान ने कहा कि रंगरेजा रेस्टोरेंट का रोजा इफ्तार निश्चित तौर पर हिंदू मुस्लिम एकता का प्रतीक साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही सकारात्मक और रचनात्मक काम से ही देश की एकता और भाईचारगी को मजबूती प्रदान होती है। इस मौके पर मुख्य रूप से पत्रकार पवन गुप्ता जी,सैयद रेहान मारूफी, सुधीर कुमार झा, सैयद शहाब अहमद,मोहम्मद रजी, मुर्तजा हुसैन रहमानी, शहाब हुसैन, अशरफ अली, खुर्शीद आलम, महमूद अंसारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

ऑल इंडिया स्माल न्यूज पेपर्स एसोसिएशन (आइसना) का प्रतिनिधिमंडल मा० केंद्रीय राज्य मंत्री एवं मा० सदर सांसद से मिलकर दिया ज्ञापन

गोरखपुर । ऑल इंडिया स्माल न्यूजपेपर्स एसोसिएशन गोरखपुर इकाई का एक प्रतिनिधिमंडल संगठन के जिलाअध्यक्ष श्री उमेश चंद्र मिश्र के नेतृत्व में माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान जी एवं माननीय सांसद श्री रवि किशन शुक्ल जी से उनके आवास पर मिलकर एक ज्ञापन दिया । भारत के प्रेस महापंजीयक (PRGI) द्वारा दिनांक 10 मार्च 2025 को जारी किए गए एडवाइजरी के विरोध में आज आइसना का एक प्रतिनिधिमंडल माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान जी एवं माननीय सदर सांसद श्री रवि किशन शुक्ल जी से मिलकर माननीय सूचना प्रसारण मंत्री भारत सरकार के नाम उन्हे एक पत्रक दिया गया और उनसे अनुरोध किया गया कि पी.आर.जी.आई. द्वारा जारी उक्त एडवाइजरी को निरस्त कराने में हमारी मदद करें । माननीय सांसद श्री रवि किशन शुक्ल जी ने हम सभी को भरोसा दिलाया कि कि मैं सूचना प्रसारण मंत्री जी से मिलकर आपका पत्रक उन्हे दूंगा । माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान जी ने भी हम सभी से वादा किया कि हम आपका यह पत्रक माननीय सूचना प्रसारण मंत्री जी को देने का काम करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से श्री लाल जी भ्रमर, श्री उमेश चंद्र मिश्र , श्री जवाहरलाल निगम , श्री गजेंद्र त्रिपाठी , श्री अनिल गुप्ता, श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता एवं धीरेंद्र कुमार गुप्ता थे ।

आधारशिला इंटरनेशनल स्कूल में हुआ वार्षिक प्रगति पत्र व पुरस्कार वितरण समारोह

गोरखपुर। आधारशिला इंटरनेशनल स्कूल गोरखपुर में रविवार को वार्षिक प्रगति पत्र एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन कर वार्षिक प्रगति पत्र एवं पुरस्कार का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद दीप प्रज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान विद्यालय के निदेशक प्रफुल्ल चंद्र श्रीवास्तव ने समस्त छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा संस्कार युक्त होनी चाहिए। प्रधानाचार्या चंदा श्रीवास्तव ने कहा कि छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए रचनात्मक गतिविधियां बहुत आवश्यक हैं। इसके उपरांत पुरस्कार वितरण किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले बच्चों में कक्षा नर्सरी से पांच छात्र, कक्षा एलकेजी से पांच छात्र, कक्षा यूकेजी से सात छात्र,कक्षा 1 से सात छात्र, कक्षा 2 से पांच छात्र, कक्षा 3 से छह छात्र, कक्षा 4 से पांच छात्र, कक्षा 5 से छह छात्र, कक्षा 6 से पांच छात्र, कक्षा 7 से छह छात्र, कक्षा 8 से पांच छात्र, कक्षा 9 अ से पांच छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख ट्रस्टी सदस्य प्रेमलता श्रीवास्तव और राज कुमार श्रीवास्तव सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान ने किया पत्रकार मुर्तजा हुसैन रहमानी को "सामाजिक संत" अवार्ड से सम्मानित

- समाज में रचनात्मक कार्य करने वाले हमेशा से पूजे जाते रहे हैं : राजेश मणि त्रिपाठी
- प्रत्येक क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वालों को हर वर्ष किया जायेगा सम्मानित : डा. मुश्ताक आलम
- एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को माहे रमजान में सम्मानित कर किया पुनीत कार्य : कप्तान राधेश्याम सिंह

गोरखपुर। एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान के तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह का आयोजन रसूलपुर स्थित गार्डन मैरिज हाउस में 27 वें रमजान के मुबारक मौके पर शहर के मानिंद पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष डा. मुश्ताक आलम ने सम्मानित होने वाले पत्रकारों को अंग वस्त्र, प्रशस्ति पत्र, डायरी और माल्यार्पण के साथ सम्मानित किया गया। अच्छी लेखनी और समाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले पत्रकारों को एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान की फेहरिस्त में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैप्टन राधेश्याम सिंह, राजेश मणि त्रिपाठी और डा. मुश्ताक आलम के हाथों सामाजिक योद्धा, फखरे गोरखपुर अवार्ड प्राप्त पत्रकार मुर्तजा हुसैन रहमानी को "सामाजिक संत" अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं पत्रकार रामकृष्ण शरण मणि त्रिपाठी, विश्वनाथ सिंह, बीपी मिश्रा, दिनेश श्रीवास्तव, वकील अहमद, दुर्गेश मिश्रा, अरविंद वर्मा, सुनील पांडेय, शक्ति शंकर सिंह, जवाहर लाल निगम, दुर्गेश ओझा एवं सुनील मणि त्रिपाठी को सर्वश्रेष्ठ पत्रकारिता अवार्ड से सम्मानित कियागया। इस अवसर पर एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान के अध्यक्ष डा. मुश्ताक आलम ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त 1947 में देश आजाद हुआ था, उस दिन रमजान का 27 वां रोजा और अलविदा का दिन था।आज ही के दिन हमारे देश को आजादी मिली थी, यह जुमा अलविदा देश के भाईचारे का त्योहार है। उन्होंने कहा कि इसी इतिहास को मद्देनजर रखते हुए 27 वां रोजा और रमजान के आखिरी जुमा अलविदा के दिन एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान की तरफ से पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित करने का फैसला लिया था। डा. आलम ने कहा कि एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान प्रत्येक क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वालों को हर वर्ष सम्मानित किया जायेगा। इस मौके पर सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि कैप्टन राधेश्याम सिंह ने कहा कि एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को माहे रमजान के महीने में सम्मानित कर पुनीत कार्य किया है। उन्होंने कहा कि समाज में किए गए कार्य का हमेशा सुखद परिणाम मिलता रहा है। ऐसे में संस्थान ने रचनात्मक कार्यक्रम को आयोजित कर यकीनी तौर पर सभी को प्रफुल्लित किया है। इस कार्यक्रम की जितनी भी प्रशंसा की जाए, इसके लिए शब्द कम पड़ जाएंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि पूर्व छात्र नेता राजेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि समाज में रचनात्मक कार्य करने वाले हमेशा से पूजे जाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि एमएम मेमोरियल सेवा संस्थान का प्रयास निश्चित तौर पर सकारात्मक है। इस मौके पर संस्था के संरक्षक डा. अजय श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष डा. नूर आलम एवं प्रो. अमर सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि दिन रात की भागम भाग में पत्रकारों का पुरसाहाल लेने की जरूरत है। सम्मान समारोह में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश मणि त्रिपाठी पत्रकारों के आमंत्रण पर गोरखपुर पहुंचे हुए थे। इस मौके पर उन्होंने गीता नंदिनी समस्त पत्रकारों को भेंट की। उन्होंने कहा कि पत्रकार देश और समाज के चेतन चेहरा और चरित्र का दर्पण होते हैं। त्रिपाठी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से पत्रकारों को पुरस्कृत करते रहने से निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता बल मिलता है। इस अवसर पर इल्मुल हुदा, समीर अहमद, शेर आलम, डा. अमजद, शमशुलहुदा, मुस्ताक, उमर, शहाब आलम, अली, ?समीर फैजान, अरशद, रियाज, अलिफ, रेहान, कासिम, गुलाम, राशिद, तनवीर आलम, नाजिम सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के आखिर में सम्मान समारोह के अतिथियों को संस्थान की ओर से स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया।

नशीले पदार्थों के रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता कार्यक्रम एवं कवि सम्मेलन का आयोजन

गोरखपुर। नशा एक ऐसी बुराई है जो हमारे समूह जीवन को नष्ट कर देती है ।नशे की लत से पीड़ित व्यक्ति समाज और परिवार के लिए बोझ बन जाता है। युवा पीढ़ी सबसे ज्यादा नशे से पीड़ित है। नशा करना और नशे के लिए प्रेरित करना एक घोर पाप है। आज वासुदेव तिवारी सेवा संस्थान एवं राष्ट्रीय सामाजिक रक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में मादक नशीले पदार्थों के रोकथाम एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जिला कारागार गोरखपुर में संपन्न किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि वशिष्ठ नारायण सिंह जिला समाज कल्याण अधिकारी गोरखपुर उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में धराधाम प्रमुख डॉ. सौरभ पाण्डेय ,वरिष्ठ जिला कारागार अधीक्षक,गोरखपुर बी.के.पाण्डेय की अध्यक्षता में कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को माल्यार्पण एवं अंग वस्त्र प्रदान करके सम्मानित किया। पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पौधे प्रदान किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि नशा एक भयंकर गंदगी है, जो दिन प्रतिदिन समाज में धुएं की तरफ फैलती जा रहा है ।नशे के कारण समाज में दिन,प्रतिदिन हिंसा,शोषण ,बलात्कार, दुर्घटना जैसे अमानवीय कृत्य घटित हो रहे है, मैं आभार व्यक्त करता हूं रीना मालवीय का जिन्होंने इस तरह के सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यक्रम का आयोजन जिला कारागार परिसर में आयोजित कराया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एवं धराधाम के प्रमुख डॉक्टर सौरभ पाण्डेय ने बताया कि नशा एक ऐसी बुराई है जिससे इंसान का जीवन समय से पहले ही मौत का शिकार हो जाता है।नशे से पीड़ित व्यक्ति की उपयोगिता राष्ट्र और समाज के लिए शून्य हो जाती है। नशा के कारण व्यक्ति धीरे-धीरे अपराध की तरफ अग्रसर होने लगता है, वह शांतिपूर्ण समाज के लिए अभिशाप बन जाता है।इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से पीड़ित व्यक्ति को समाज की मुख्य धारा में ला सकते हैं। वरिष्ठ जिला कारागार अधीक्षक बी.के. पाण्डेय ने बताया कि इस तरह की सामाजिक जागरूकता जैसे कार्यक्रमों के आयोजन से समाज को सही दिशा निर्देशन मिलता है। शासन और प्रशासन की तरफ से इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन तो होता है, लेकिन सामाजिक संस्थाओं का भी बहुत बड़ा योगदान होता है, समाज को सही रास्ता दिखाने में। मैं वासुदेव तिवारी सेवा संस्थान के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं। वासुदेव सेवा संस्थान के सचिव एवं असिस्टेंट प्रोफेसर मनोविज्ञान विभाग बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर की डॉक्टर रीना मालवीय ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए जिला कारागार अधीक्षक बी.के. पाण्डेय को धन्यवाद दिया। उन्होंने अपने उद्बोधन में बताया कि हम अपने केंद्र पर नशा से पीड़ित व्यक्ति का समुचित इलाज भी करते हैं। यदि व्यक्ति नशे से पीड़ित है, तो उसे मनोवैज्ञानिक उपचार के द्वारा नशे की लत को छुड़ाने का प्रयास करते हैं ,और समाज की मुख्य विचारधारा में लाते हैं। मशहूर युवा शायर मिन्नत गोरखपुरी ने अपने शायराना अंदाज में जिला कारागार में बंद, बंदियों को अपनी शायरी "बहुत पहले से उन कदमों की आहट जान लेते हैं,तुझे ये जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं"। बंदियों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया।संस्था की परामर्शदात्री स्नेहा सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सम्मानित अतिथियों को धन्यवाद दिया और जिला कारागार में बंद बंदियों को फल वितरित कराया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वशिष्ठ नारायण सिंह, डॉक्टर सौरभ पाण्डेय,बी.के. पाण्डेय ,रीना मालवीय, अजय मालवीय, स्नेहा सिंह ,संजय कुमार, मनोज मिश्र, क्रांति सिंह,गौतम गोरखपुरी ,धनंजय सिंह ,जगन प्रसाद, अमित कुमार, पूर्वांचल राज्य ब्यूरो चीफ सुनील मणि त्रिपाठी उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन युवा कवि एवं शायर मिन्नत गोरखपुरी ने किया।

Annual progress report and prize distribution ceremony held at Aadharshila International School

Gorakhpur. Annual progress report and prize distribution ceremony was organized at Aadharshila International School, Gorakhpur on Sunday and annual progress report and prize distribution was done. During the program, the program was started by lighting the lamp after garlanding the statue of Maa Saraswati.""During this, the director of the school Prafulla Chandra Srivastava congratulated all the students and said that education should be cultured.

Principal Chanda Srivastava said that creative activities are very important

for the all-round development of students. After this, prize distribution was done. Among the children who received the award, five students from class nursery, five students from class LKG, seven students from class UKG, seven students from class 1, five students from class 2, six students from class 3, five students from class 4, six students from class 5, five students from class 6, six students from class 7, five students from class 8, five students from class 9 A were awarded. All the teachers including the main trustee members Premlata Shrivastava and Raj Kumar Shrivastava were present in the program.

6 killed in landslide after storm uproots massive tree in Himachal Pradesh

Kullu | Tragedy struck Himachal Pradesh's Kullu district on Sunday after a massive tree, uprooted by a storm and landslide, came crashing down on parked vehicles near the Gurudwara Manikaran Sahib, killing six people and injuring three others. According to officials, the tree from a mountain opposite the gurudwara gave

way following heavy rains and a subsequent landslide, leaving a trail of devastation. The injured have been shifted to Jari Hospital for treatment. Kullu Sub-Divisional Magistrate (SDM) Vikas Shukla, present at the site overseeing rescue and relief operations, said emergency response teams, including medical personnel, police, and revenue officials, are at the spot and coordinated the relief efforts. Expressing sorrow over the incident, Himachal Pradesh Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu directed district authorities to extend all possible assistance to the victims and their families. Leader of Opposition Jai Ram Thakur also conveyed his condolences. Rescue operations were underway late into the evening as teams worked to clear the debris and assess the damage.

'If they don't make a nuclear deal…'

Donald Trump warns Iran there will be bombing

Washington | US President Donald Trump threatened Iran on Sunday with bombing and secondary tariffs if Tehran did not come to an agreement with Washington over its nuclear program. In Trump's first remarks since Iran rejected direct negotiations with Washington last week, he told NBC News that US and Iranian officials were talking, but did not elaborate. "If they don't make a deal, there will be bombing," Trump said in a telephone interview. "It will be bombing the likes of which they have never seen before." "There's a chance that if they don't make a deal, that I will do secondary tariffs on them like I did four years ago," he added. 'Must explore fuel cycle options instead of reactor options to step up nuclear capacity, bring thorium into the mix early': Anil Kakodkar Amit Shah's 'end of separatism' claims, and what it means for the Hurriyat Iran sent a response through Oman to a letter from Trump urging Tehran to reach a new nuclear deal, saying its policy was to not engage in direct negotiations with the United States while under its maximum pressure campaign and military threats, Tehran's foreign minister was quoted as saying on Thursday. Iranian President Masoud Pezeshkian reiterated the policy on Sunday. "Direct negotiations (with the US) have been rejected, but Iran has always been involved in indirect negotiations, and now too, the Supreme Leader has emphasized that indirect negotiations can still continue," he said, referring

to Ayatollah Ali Khamenei. In the NBC interview, Trump also threatened so-called secondary tariffs, which affect buyers of a country's goods, on both Russia and Iran. He signed an executive order last week authorising such tariffs on buyers of Venezuelan oil. In his first 2017-21 term, Trump withdrew the US from a 2015 deal between Iran and world powers that placed strict limits on Tehran's disputed nuclear activities in exchange for sanctions relief. Trump also reimposed sweeping US sanctions. Since then, the Islamic Republic has far surpassed the agreed limits in its escalating program of uranium enrichment. Tehran has so far rebuffed Trump's warning to make a deal or face military consequences. Western powers accuse Iran of having a clandestine agenda to develop nuclear weapons capability by enriching uranium to a high level of fissile purity, above what they say is justifiable for a civilian atomic energy program. Tehran says its nuclear program is wholly for civilian energy purposes.

Sports have special importance in human life, there are great benefits in personal life along with career - Sanjay Rai

Gorakhpur. Sports are important for mental, physical, and social development. It provides us with an opportunity to keep healthy, develop brain capacity, practice tactics, and do teamwork. It increases the quality of our life and gives us the ability to think positively, struggle, and win.""The above things were said by Sanjay Rai, National General Secretary of Combat Federation of India, during a press conference. He said that sports have great importance in life. Through sports, you can not only make yourself and the country proud, but sports are also beneficial for your personal life. Sports should not only be played by the players of the country but

every person of the country. Because only through this you can keep your health fine. Along with this, sports make you emotionally strong and provide a new platform with career to the talent hidden inside you. In the above sequence, Sanjay Rai told the players through social harmony that sports also provide social benefits to the players. Since childhood, players go to different places, cities and states to play sports and meet new players there. This helps them to build cordial relations with other people and players. Along with sportsmanship, they also develop an understanding of strengthening mutual relationships. Along with this, their communication also improves. Discipline comes in players through sports. They do all the work on time and manage their time in a better way. Along with this, sports make them realize responsibility at the right age, which they achieve while leading the team in sports. This also provides them social benefits.

बच्चे शिक्षित तभी देश की तरक्की संभव:एम डी अजय यादव

बाबा पब्लिक स्कूल रमवापुर कुसरुखुर्द संतकबीरनगर में वार्षिकोत्सव समारोह का धूमधाम से आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि डॉक्टर विवेक सेठ जनरल और लेप्रोस्कोपिक सर्जन नीरा हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज गोरखपुर एवं डॉक्टर सौरभ पांडेय जी वाइस चांसलर धारधाम इंटरनेशनल मैनेजिंग एडिटर स्वतंत्र जन्ममित्र डेली ,डॉ एहसान अहमद,विकास चतुर्वेदी,अशोक राव ने मां सरस्वती पूजन कर दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एम डी अजय कुमार यादव जी ने अभिभावकों को कार्यक्रम तथा आउट ऑफ स्कूल बच्चों के संबंध में जानकारी

दी। विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष साहिल खान ने आउट ऑफ स्कूल बच्चों के अभिभावकों के साथ नियमित विद्यालय में उपस्थिति की आवश्यकता एवं आउट ऑफ स्कूल चिन्हांकन के दुष्प्रभाव पर अवगत कराया। ग्राम प्रधान ने अभिभावकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सभी लोग अपने बच्चों को नियमित विद्यालय भेजें तथा बच्चों के बेहतर भविष्य का निर्माण करने में विद्यालय स्टाफ का सहयोग प्रदान करें। एम डी अजय यादव ने विद्यालय के छात्रों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा विज्ञान प्रतियोगियों आयोजित कराई। चिन्हित सभी आउट ऑफ स्कूल बच्चों को स्टेशनरी, वर्कशीट एवं निपुण बच्चों को पेंसिल बाक्स, कापी, एनबीटी की पुस्तकें वितरित करते हुए प्रतिदिन विद्यालय आने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सभी निपुण बच्चों एवं उनके अभिभावकों को अतिथियों ने सम्मानित किया। इस दौरान विद्यालय प्रबंध समिति के सदस्य, कार्यरत रसोइयां, आंगनबाड़ी कार्यकत्री तथा अभिभावक मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।